कविता

शकुनि बाहर निकाला जाए

-योगेश कुमार

झूठ कहां तक पाला जाए
पतन कहाँ तक टाला जाए
हाथ जोड़कर विनती है बस
बाबा दाढ़ीवाला...जाए

वक़्त गुज़र ये काला जाए
अब जो होश संभाला जाए
हिंदू मुस्लिम खेल चुके बस
सोच के वोट अब डाला जाए

पासा पुनः उछाला जाए
शकुनि बाहर निकाला जाए
सारे मनके छिटक रहे हैं
जोड़ी फिर से माला जाए

खोला ज़हन का ताला जाए
साफ़ किया हर जाला जाए
संविधान तेरा पड़ा अंधेरे
उसकी तरफ़ उजाला जाए

मोदी फोबिया और बेताल वाणी

प्रदीप जैन

मोदी की बुराई करना कुंठित होने की निशानी हैं। आप देशद्रोही हैं कुछ अच्छा होते नहीं देख सकते।

देश को बढ़ते आप नहीं देख सकते,हर ओर से मिलती सफलता और बजता हुआ डंका आप को नजर नहीं आता। आप को कुछ नहीं दिखता, आप अंधे हैं, गुलाम हैं, तो आइए मोदी जी की तारीफ करते हैं,उनके महान कार्यों का उल्लेख करते हैं। उनके वादों का उनकी बातों पर बात नहीं करेंगे, क्योंकि जीभ तो जीभ है। चमड़े की हैं फिसल भी जाती हैं, बहक भी जाती हैं और बोलते बोलते कभी कभी कुछ भी बोल दिया जाता है। इसलिए केवल उनके ठोस कार्यों ओर महान योजनाओं पर बात होगी ।

शुरू से शुरू करते हैं जब देश को उनके पहले काम का नजराना मिला। वहीं नोटबंदी जिसकी वजह से काला धन, भ्रष्टाचारी आतंकवादी, नक्सली ,बगैरा बगैरा सब कालकवलित हो गए। पूरा देश लाइन में खड़ा होकर अपनी जमापूंजी के बरबाद होने के, उसके बाराबांट होने अद्भुत जश्न और गर्व से भावविभोर होता रहा और हर हर मोदी का रुदन करता रहा।

फिर नंबर आता गौ माता का ऐसी सेवा हुई कि सारे देश का गौ वंश अपना घरवर छोड़कर स्मार्ट सिटी में रहने चला आया। सड़कों गलियों में इंसान का चलना दूभर हो गया ,सारे कूड़े के ढेरों पर गाय, कुत्ते,सूअर सर्वधर्म समभाव का पोषण करते हुए स्वच्छ भारत को सफल बनाने के महत्वपूर्ण और महती उद्देश्य में संलग्न हुए, और गाय भूखों ,दुर्घटनाओं, बीमारियों से मरते हुए इंसान की होड़ में आ गई। वो

खुद भी कई एक्सीडेंट की कारक बनी और कई एक्सिडेंट उसने खुद कर दिए और कई एक्सीडेंट उसकी वजह से हो गए।

खैर अब चौकीदारी की बात कर लें। गुरु ने सारे भ्रष्टाचारी पकड़ पकड़ के जेल में ठूंस दिए और भ्रष्टाचार का अंत वंत कंत कर दिया। सारे गांधी, वाड्रा और अनगिनित अदृश्य भृष्टासुर जेल की चक्की पीस रहे हैं। एक भी बन्दा अंटे में न आया एक भी मछली जाल में नहीं फंसी। ये महामानव का मास्टर स्ट्रोक हैं जो आपकी नहीं दिख सकता कि स्विस बैंक में काला धन बढ़ रहा हैं।

आप हंसकर या मुस्करा कर विषय की गम्भीरता को कम नहीं कर सकते ,फिर पावन गंगा की क्या कहें। उनके तो पुत्र ही ठहरे तो उसके लिए क्या क्या न करेंगे ,उनके अथक प्रयास से गंगा बह रही हैं अभी तो बहुत बाकी हैं ,रोजगारों का अपार सैलाब ,गोलगप्पे, पकौड़े, चाट को मुख्य धारा में जगह मिली और ये राष्ट्रीय रोजगार बनने की कवायद कर रहा है। काश्मीर में आप प्लाट खरीद सकते हैं और वादियों में ऐश कर सकते हैं।

राम मन्दिर में इतना बड़ा घंटा बजेगा कि पूरे देश में सुनाई देगा और अभी तो लिस्ट बहुत लंबी है। शानदार आर्थिक नीति और उसके शानदार नतीजे, डीजल पेट्रोल से जुड़ा राष्ट्रवाद ,पांच किलो गेहूं से इतराती जिंदगी , कोरोना से युद्ध में महान विजय और आयुष्मान से इंडिया हेल्थ की महान गाथा,चीन के रोंदने से लेकर विश्व गुरु के बनने और भी क्या क्या आप सुन नहीं पाएंगे।.हम जानते हैं आप मोदी फोबिया से ग्रस्त हैं ,महान चन्द्रगुप्त के बाद हमारे हिन्दू ह्रदय सम्राट ही हैं जो हिंदुस्तान को स्वर्णिम युग में ले आए हैं। लेकिन आप कुटिल राष्ट्रद्रोही किन्तु परंतु करके उस गर्व उस महान गौरव भावना को विदीर्ण करना चाहते हैं जिसमें हम हिन्दुस्तानी का पोर पोर भीगा हुआ हैं। हम महान भारत की ओर बढ़ते हुए मोदी महिमा से नतमस्तक हैं। 24 में उनके इससे भी बड़ी विजय के आग्रही हैं ,तभी इस देश का पूरा कल्याण होगा और हर घर को पांच किलो गेंहू और पांच किलो गर्व प्राप्त होगा ,नेशन भारती दुनिया में सबसे ऊपर होगा,और सूर्य मोदी के तेज से चमक रहा होगा ,नमस्कार ये बेताल वाणी हैं।

तिरंगा यात्रा की शोशेबाजी के बाद भाजपा की अब 'जन आशीर्वाद यात्रा'

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

नई दिल्ली: हरियाणा में जिस तरह शहर और कस्बों में भाजपा ने तिरंगा यात्रा निकाल कर जनता का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाकर दूसरी तरफ मोड़ने की कोशिश की गई। अब उसी तर्ज पर मोदी कैबिनेट में कुछ दिन पहले ही शामिल हुए नए मंत्री 19,567 किमी की 'जन आशीर्वाद यात्रा' निकालने जा रहे हैं। केंद्रीय मंत्रिपरिषद के नए मंत्री व पदोन्नत हुए 39 मंत्री 212 लोकसभा क्षेत्रों में जाएंगे और लोगों से मुलाकात करेंगे। भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा 16 अगस्त को शुरू होकर 21 अगस्त को खत्म होगी। सभी मंत्री अलग-अलग क्षेत्रों की यात्रा करेंगे। सूत्रों के मुताबिक राज्य मंत्री 16 से अपने लोकसभा क्षेत्र व आसपास के क्षेत्रों की यात्रा करेंगे। कैबिनेट मंत्री 20 से जन आशीर्वाद यात्रा शुरू करेंगे। भाजपा की यह यात्रा 3 से 10 दिनों की होगी।

अभी फरीदाबाद जिले और पलवल में तिरंगा यात्रा निकली तो इस इलाके के सांसद और केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गूजर खासतौर पर इनमें शामिल हुए। कई विधानसभा क्षेत्रों में तो वहां का विधायक गायब था और गूजर तिरंगा यात्रा में शामिल थे। इस तिरंगा यात्रा के दौरान कृष्णपाल गूजर राष्ट्रीय स्तर की हवाई बातें करते रहे जबकि फरीदाबाद की जनता जलभराव, पेयजल संकट, टूटी सड़कों से जूझ रही है लेकिन केंद्रीय मंत्री ने उन मुद्दों पर कहीं भी कोई बात नहीं की, बस तथाकथित देशभक्ति की बातें करते रहे। इस तिरंगा यात्रा में जनता शामिल नहीं हुई और भाजपा व संघ का कैडर इसे सफल बनाने की नाकाम कोशिश करते रहे।

इस क्रम में सोमवार को भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 20 मंत्रियों से मुलाकात की थी। मंगलवार को उन्होंने 9 और बुधवार को 11 मंत्रियों से मुलाकात की। भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा 22 राज्यों में होगी। इसमें 19 राज्यों के मंत्री 212 लोकसभा क्षेत्रों में यात्रा पर निकलेंगे। इस यात्रा के दौरान सभी मंत्री 265 जिलों में यात्रा करेंगे। इस दौरान 1,663 कार्यक्रम भी होंगे।

सभी मंत्री अपने लोकसभा क्षेत्र के अलावा तीन अन्य लोकसभा क्षेत्रों में जाएंगे। नारायण राणे की यात्रा सबसे लंबी सात दिनों की होगी। याद दिला दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंत्रियों से कहा है कि अपने घर जाने से पहले लोगों से मिलें। पीएम ने नए मंत्रियों से कहा था कि 15 अगस्त के बाद ही अपने क्षेत्र में जाएं और लोगों से मुलाकात करें। जन आशीर्वाद यात्रा के दौरान मंत्री लोगों से मिलेंगे और सरकार की उपलब्धियों पर चर्चा करेंगे।

डॉ कफील खान केस में योगी का सच औंधे मुँह गिरा

आलोक शुक्ला

झूठ तो झूठ ही है, चाहे जितना फुदक ले, उड़ ले, अंततोगत्वा एक वक्त औंधे मुंह गिरता ही है। धड़ाम होना उसकी नियति है।

झूठ बोलने वाला अपने इस फ़न का चाहे जितना माहिर हो, चाहे जितनी ताकत रखता हो, सामने वाले से नजरें नहीं मिला सकता। क्योंकि उसके दिल में हर वक्त गिरने का डर समाया रहता है।

झूठ के मुकाबले डटकर खड़े हो जाइये फिर कमाल देखिये, खींसे निपोरते हुए वो आपके सामने घुटनों के बल सजदा करता दिखेगा।

आज डॉक्टर कफ़ील खान के मामले में यही हुआ।

उत्तर प्रदेश सरकार ने न्यायालय में कहा है कि उसने डॉ. कफ़ील खान पर 24 फरवरी 2020 को फिर से शुरू की गई जाँच को वापस ले लिया है।

सरकार ने यह भी कहा है कि उसने मुख्य सचिव श्री हिमांशु कुमार द्वारा की गई जांच की रिपोर्ट (जो उन्होंने 15/04/19 को दी थी) को स्वीकार कर लिया है।

मुख्य सचिव श्री हिमांशु कुमार ने अपने जांच निष्कर्ष में कहा था...

"बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में 8 अगस्त 2016 को प्रोबेशन पर नियुक्त डॉक्टर कफ़ील खान विभाग में सबसे जूनियर डॉक्टर थे।

घटना वाले दिन (10 अगस्त 2017) छुट्टी पर होने के बावजूद उन्होंने उस भयावह रात को मेडिकल कॉलेज पहुंचकर निर्दोष बच्चों की जिंदगी बचाने के लिए अपनी पूरी क्षमता से हर संभव प्रयास किया।

उन्होंने अपनी टीम के साथ, उन 54 घंटों में 500 सिलेंडरों की व्यवस्था की। और इसके लिए कॉलेज के सभी अधिकारियों के साथ कुल 26 लोगों को फोन किया।

उनपर चिकित्सकीय लापरवाही और भ्रष्टाचार के आरोप निराधार थे (बलहीन और असंगत)। न तो वह इंसेफेलाइटिस वार्ड के प्रमुख थे और न ऑक्सीजन आपूर्ति के भुगतान/आदेश/निविदा/रख-रखाव के लिए जिम्मेदार ही।

मेडिकल कॉलेज में नियुक्ति के बाद से उनके द्वारा निजी प्रैक्टिस किये जाने के कोई सबूत नहीं हैं।"

अब न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार से डॉक्टर कफ़ील को चार साल से अधिक समय से निलम्बित रखने की वजह बताने को कहा है।

यहां यह ध्यान रखने की बात है कि 10 अगस्त 2017 को गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में आक्सीजन खत्म हो जाने से 60 से अधिक बच्चों व अन्य मरीजों की मौत के मामले में निलम्बित किये गये तत्कालीन प्राचार्य डॉ. राजीव मिश्र, आक्सीजन इंचार्ज डॉ. सतीश और अन्य बहाल कर दिये गये, सिवाय डॉ. कफ़ील के।

कफ़ील खान के ऊपर जांच दर जांच बैठाई गई। एक के बाद एक मुकदमें लादे गये। कुछ मुकदमें कोर्ट ने खारिज कर दिये। कुछ अभी चल रहे हैं।

सल्तनत जो कर सकती थी उसने किया। कुछ बाकी न उठा रखा। अभी भी अपनी ताकत भर कर ही रही है।

क्योंकि ऐसा करना सल्तनत के लिए, सुल्तान के लिए, जागीरदार के लिए और मसनबदार के लिए जरूरी है।

नफरत की खेती से वोटों की लहलहाती फसल काटने के लिए कफ़ील जैसे नाम वाली 'खाद' बेहद जरूरी होती है।

फिलहाल, अंतिम सच ये है कि झूठ मुंह की खाता है। इस बार भी मुंह की खा रहा है। बस, ये देखिये कि औंधे मुंह गिरते वक्त झूठ का चेहरा कैसा दिखता है।